सोमवार
08 जून 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 135
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

13 सूत्रीय मांगों को लेकर

शिक्षक महासंघ ने किया सचिवालय कूच

संवाददाता

देहरादून। अपनी 13 सूत्रीय मांगों को लेकर जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ ने सचिवालय किया जहां पर उन्होने प्रदर्शन कर प्रशासन के माध्यम से ज्ञापन प्रेषित किया। इस दौरान भारी संख्या में शिक्षक संघ मौजूद रहा।

आज यहां अपनी 13 सूत्रीय मांगों को लेकर जूनियर हाई स्कूल के शिक्षक परेड मैदान में एकत्रित हुए। जहां से उन्होने सचिवालय के लिए कूच किया। घंटाघर होते हुए जब वह सुभाष रोड पर पहुंचे तो पुलिस ने उनको बेरकेडिंग लगाकर रोक दिया। जिसके बाद गुस्साये शिक्षकों ने वहीं पर नारेबाजी शुरू कर दी। जिसके बाद शिक्षकों ने जिला प्रशायन के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया।

ज्ञापन के माध्यम से शिक्षक महासंघ का कहना है कि उनकी 11 सूत्रीय मागों का सरकार सही से निस्तारण करे। उन्होने उत्तराखण्ड शासन के कार्मिक एवं सर्तकता अनुभाग के आदेश के क्रम में प्रधानाध्यापक एंव सहायक को पूर्ण सेवाकाल में 3 पदोन्नोतियां दी जानी सुनिश्चित की जाये के साथ ही प्रदेश के समस्त जूनियर हाईस्कूल में पांचवी पद अंग्रेजी विषय का अनिवार्य रूप से सृजित किया जाय जिसका प्रस्तावपूर्व में शासन को प्रेषित एवं शासन में विचाराधीन है।

प्रदेश के शिक्षको को पुरानी पेशंन व्यवस्था को बहाल किया जाये। माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के भांति जूनियर हाईस्कूल शिक्षकों को भी सम्पूर्ण सेवाकाल में एक बार अंतर्जनपदीय स्थानान्तरण की सुविधा अनुमन्य किया जाये। शिक्षकों के सातवें वेतनमान के बाद स्वीकृत चयन प्रोन्नत वेतनमान तथा पदोन्नत पर एक वेतनवृद्धि दिये जाने का शासनादेश निर्गत किया जाये। प्रदेश में समग्र शिक्षा के अंर्तगत शिक्षक और कार्पिकों को ओपीडी सहित केन्द्र के समान दरों पर निशुल्क चिकित्सा सुविध ा अनुमन्य किया जाये। सहित अन्य मांगे शामिल है।

ऋषिकेश गोलीकांडः दो बदमाश पुलिस मुठभेड़ में घायल

हमारे संवाददाता

देहरादून। शराब पीने से मना करने पर गोली चलाकर दो लोगों को घायल कर फरार होने वाले दोनो बदमाशों को पुलिस ने देर रात मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। दोनो बदमाशों को मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली लगी है जिनका

तमंचे, कारतूस व वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद

उपचार जारी है। पुलिस ने आरोपी बदमाशों के पास से दो तमंचे, कारतूस व वारदात में प्रयुक्त बाइक भी बरामद की है। इस गोलीकांड में एक अन्य आरोपी को पुलिस पूर्व समय में ही गिरफ्तार कर चुकी है।

विदित हो कि बीती 4 जून की रात कोतवाली ऋषिकेश क्षेत्रांर्तगत अखिलेश्वर कालोनी भट्टोवाला (श्यामपुर) मे शराब

पीने व अभ्रदता करने से रोकने को लेकर हुए विवाद में बाइक सवार तीन युवको ने दो लोगों को गोली मारकर घायल कर दिया था। जिनका ऋषिकेश एम्स में उपचार हेतू भेजा गया। गोलीबारी की इस घटना में जहां दो बदमाश आमिर व अनवर निवासी इस्लामपुर बिहार फरार होने में सफल रहे वहीं एक बदमाश वसीम अख्तर पुत्र महफूज आलम निवासी सीतामढ़ी बिहार को स्थानीय लोगों व पुलिस द्वारा मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया था।

पुलिस द्वारा मामले की गम्भीरता को देखते हुए फरार चल रहे दोनो बदमाशों की तलाश तेज कर दी गयी। जिन्हे कड़ी मशक्कत के बाद देर रात एक सूचना के बाद ऋषिकेश क्षेत्र में बैरियर लगाकर घेरने का प्रयास शुरू किया गया। इस दौरान बाइक सवार दोनो बदमाश पुलिस बैरियर तोड़कर श्यामपुर की ओर फरार हो गये। जिस पर पुलिस ने जब उनका पीछा किया तो उन्होने पुलिस टीम पर ही फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस द्वारा आत्मरक्षा में की गयी फायरिंग के दौरान दोनों बदमाशो के पैर पर गोली लग गयी और वह घायल हो गये। पुलिस द्वारा बदमाशों के पास से दो तमंचे, कारतूस व वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद की गयी है। पुलिस घायल बदमाशो को उपचार हेतु राजकीय चिकित्सालय लाया गया जहां उनका उपचार किया जा रहा है। वहीं मौके पर उच्च अधिकारियों द्वारा घटनास्थल व चिकित्सालय में पहुंच कर घटना की जानकारी ली गयी है।

दून वैली मेल

संपादकीय

कॉकरोचों के साथ हो गया खेला?

देश और दुनिया की निगाहें 6 जून को होने वाले कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन पर लगी थी वह अत्यंत ही सादगी सरलता और शांति के साथ निपट गया। संस्थापक अभिजीत दिपके की फ्लाइट दिल्ली में लैंड हुई और दिल्ली पुलिस के अधिकारी बिना मांगे ही जंतर मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति का पत्र लेकर एयरपोर्ट पर आ गए और किसी अति विशिष्ट व्यक्ति की तरह उन्हें सुरक्षा के घेरे में लेकर जंतर मंतर आए जहां उन्होंने अपने संक्षिप्त भाषण में सरकार और शिक्षा मंत्री को घेरते हुए उनके खिलाफ नारे लगवाए तथा उनके इस्तीफे के लिए 5 दिन की मोहलत देते हुए निर्धारित समय से पूर्व ही अपना कार्यक्रम संपन्न कर दिया। लेकिन अब इस कार्यक्रम को लेकर तमाम तरह की बातों पर सोशल मीडिया में बहस भी छिड़ी हुई है। कोई इसे अन्ना आंदोलन की तरह एक और राजनीतिक फिमोमना बता रहा है तो कोई आप की तरह सीजेपी को भाजपा की एक और बी टीम कह रहा है। तो कोई इसे राहुल गांधी के द्वारा सरकार के खिलाफ चलाई जा रही विरोध प्रदर्शनों की मुहिम को कमजोर करने के लिए अमित शाह का एक और षड्यंत्र के तौर पर देख रहा है। वहीं कुछ इसके इतर जेन जे के आंदोलन से डरी सरकार की मजबूरी बता रहा है तथा युवाओं से पंगा न लेने के तौर पर भी देख रहे हैं। इस पार्टी के गठन से लेकर अब तक कई ऐसे अप्रत्याशित घटनाक्रम सामने आ चुके हैं जो यह संकेत देते हैं कि जो कुछ हो रहा है वह सामान्य या स्वाभाविक तो कतई भी नहीं है इसके नि:तार्थ में कुछ अत्यंत गूढ राजनीतिक सच छुपे हुए हैं। जिनसे अभी पर्दा उठना बाकी है। कॉकरोचों की मांग के अनुरूप अगर मोदी धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा लेते हैं तो इसका मतलब साफ होगा कि सरकार के खिलाफ इस आवाज को दबाने में तथा जेन जे के द्वारा पहुंचाये जाने वाले नुकसान को वह लगभग खत्म कर चुके होंगे। सीजेपी को जिस तरह से जंतर मंतर पर आंदोलन की आसानी से अनुमति दे दी गई वह हैरानी की बात है। वह भाजपा सरकार जो अपने खिलाफ एक शब्द भी बोलने वालों को जेल पहुंचा देती है। वांगचुक प्रदर्शन में भी मौजूद थे खुद इसका प्रमाण है। वह सरकार जो किसानों को दिल्ली में प्रदर्शन की अनुमति तो छोड़िए सालों तक घुसने नहीं देती और रोकने के लिए सड़कों पर कीले ठोकने से लेकर उन पर आसमान से अश्रु गैस के गोले बरसाती है उसने दिपके में ऐसा क्या कुछ देखा कि पुलिस खुद अनुमति पत्र लेकर एयरपोर्ट पहुंच गई? यह सरकार की मर्जी और अनुमति के बिना संभव नहीं था। जिस दिपके का एक्स हैंडल आईबी द्वारा देश की संप्रभुता को खतरा बताने पर बैन कर दिया जाता है वह कुछ दिन बाद राष्ट्रभक्त मान लिया जाता है क्या यह हैरान करने वाली बात नहीं है। मोदी धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा ले लेते तब कॉकरोचों का आंदोलन जारी रहेगा या खत्म हो जाएगा? यह सवाल सीजेपी और युवाओं के लिए ही अहम नहीं है सभी के लिए है। इस्तीफे को लेकर सरकार उन्हें कह सकती है आपकी मांग मान ली गई है इसलिए अब शांति से बैठिए। बाकी की आपकी बातों पर भी आगे सोचा जाएगा। दरअसल सरकार द्वारा जो किया जा रहा है वह एक सोची समझी रणनीति ही प्रतीत होती है वह कांग्रेस के विरोध को दो हिस्सों में बांटने की रणनीति पर काम कर रही है उसे पता है कि कांग्रेस ही उसका कुछ बिगाड़ सकती है बाकी अन्य कोई कुछ नहीं कर सकता है। कांग्रेस जिन मुद्दों के जरिए सत्ता की ओर बढ़ रही है अगर सीजेपी की भी उसमें हिस्सेदारी हो जाती है तो इसका स्वाभाविक लाभ भाजपा को ही होगा। वैसे भी अभी सीजेपी तो अभी राजनीति में कहीं है ही नहीं जब आप जैसी पार्टियों का भाजपा ने वह हाल कर दिया है कि वह खत्म होने के कगार पर है तो सीजेपी जैसी ताकतों से भाजपा को क्या डर होगा लेकिन आने वाला समय जेन जे लिए कठिन परीक्षा का रहने वाला है।

सत्ता की 'राह' में विरोधी लहर का 'रोड़ा'

❑लगातार दो कार्यकाल के बाद जनता के मूड को भांपने में जुटे राजनीतिक दल
❑विकास बनाम जन असंतोष की लड़ाई में बदल सकता है विधानसभा का चुनाव
❑इस पर मिथक टूटेगा या फिर मतदाता सत्ता परिवर्तन कर देगा सरकार को जवाब

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव 2027 भले ही अभी दूर दिखाई दे रहा हो, लेकिन राज्य की राजनीति में चुनावी बिसात बिछनी शुरू हो गई है। सत्तारूढ़ भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती विपक्ष नहीं, बल्कि एंटी-इंकम्बेंसी यानी सत्ता विरोधी लहर बन सकती है। वर्ष 2017 और 2022 में लगातार जीत हासिल करने वाली भाजपा तीसरी बार सत्ता में वापसी का सपना देख रही है, लेकिन इसके रास्ते में जनता की नाराजगी सबसे बड़ा रोड़ा बन सकती है।

राज्य गठन के बाद उत्तराखंड की राजनीति का इतिहास बताता है कि यहां मतदाता सत्ता परिवर्तन के लिए जाने जाते रहे हैं। हालांकि 2022 में भाजपा ने इस मिथक को तोड़ते हुए लगातार दूसरी बार सरकार बनाई, लेकिन अब तीसरे कार्यकाल की दहलीज पर खड़ी पार्टी को जनता के सवालों का सामना करना पड़ सकता है। भाजपा सरकार चारधाम आल वेदर रोड,)षिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना, निवेश सम्मेलन, समान नागरिक संहिता और धार्मिक पर्यटन जैसे बड़े मुद्दों को अपनी उपलब्धि के रूप में पेश कर रही है। दूसरी ओर विपक्ष बेरोजगारी, पलायन, महंगाई, पेयजल संकट, स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली और भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं को लेकर सरकार को घेरने की तैयारी में है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि विकास परियोजनाओं का लाभ आम जनता तक प्रभावी रूप से नहीं पहुंचा तो एंटी-इंकम्बेंसी का असर चुनावी नतीजों में दिखाई दे सकता है। प्रदेश के पर्वतीय जिलों में पलायन आज भी बड़ा मुद्दा बना हुआ है। गांव खाली हो रहे हैं और युवाओं का रोजगार के लिए मैदानों व अन्य राज्यों की ओर जाना जारी है। चुनाव के दौरान विपक्ष इन मुद्दों को प्रमुखता से उठाकर सत्ता विरोधी माहौल बनाने का प्रयास करेगा। कई क्षेत्रों में सड़क, स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाओं को लेकर स्थानीय असंतोष भी भाजपा के लिए चिंता का विषय बन सकता है। विशेष रूप से युवा मतदाताओं और बेरोजगारों की नाराजगी चुनावी समीकरण बदलने की क्षमता रखती है।

भाजपा ने पिछले वर्षों में कई मुख्यमंत्री बदले हैं। वर्तमान नेतृत्व को 2027 में जनता के बीच अपनी स्वीकार्यता साबित करनी होगी। वहीं कांग्रेस भी मजबूत नेतृत्व और संगठन के दम पर सत्ता विरोधी माहौल को अपने पक्ष में भुनाने की कोशिश करेगी। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यदि कांग्रेस जनता के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने में सफल रहती है और भाजपा संगठन स्तर पर असंतोष को नियंत्रित नहीं कर पाती, तो एंटी-इंकम्बेंसी बड़ा चुनावी मुद्दा बन सकती है।

2027 के चुनाव में पहली बार मतदान करने वाले युवाओं की बड़ी संख्या चुनावी परिणामों को प्रभावित करेगी। रोजगार, शिक्षा और डिजिटल अवसर उनके प्रमुख मुद्दे होंगे। वहीं महिला मतदाताओं के लिए महंगाई, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा जैसे विषय अहम रहेंगे। भाजपा के पास विकास कार्यों और केंद्र सरकार की योजनाओं का मजबूत आधार है, लेकिन जनता की बढ़ती अपेक्षाएं और स्थानीय मुद्दों पर असंतोष एंटी-इंकम्बेंसी को जन्म दे सकता है। ऐसे में 2027 का चुनाव विकास बनाम असंतोष की सीध ी लड़ाई में बदलता दिखाई दे रहा है।

राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि उत्तराखंड की सत्ता का भविष्य विपक्ष की ताकत से ज्यादा इस बात पर निर्भर करेगा कि भाजपा जनता के बीच मौजूद नाराजगी को कितना कम कर पाती है। यही कारण है कि 2027 की चुनावी जंग में एंटी-इंकम्बेंसी सबसे बड़ा और निर्णायक फैक्टर बनकर उभर सकती है।

दिल्ली में गिरफ्तारी, उत्तराखंड में सियासी घमासान

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। दिल्ली के मालवीय नगर अग्निकांड में उत्तराखंड मूल के युवक केशव नेगी की गिरफ्तारी को लेकर उत्तराखंड की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। एक ओर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मामले में सक्रियता दिखाते हुए दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से बातचीत कर निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने का आग्रह किया है, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस ने इस मुद्दे को लेकर सरकार पर दबाव बढ़ाना शुरू कर दिया है।

मुख्यमंत्री धामी ने दिल्ली की मुख्यमंत्री से फोन पर बातचीत कर यह स्पष्ट किया कि हादसे में दोषी चाहे कोई भी हो, उसे सजा मिलनी चाहिए, लेकिन किसी निर्दोष को बिना पर्याप्त तथ्यों के कार्रवाई का सामना न करना पड़े। धामी की इस पहल को उत्तराखंड के लोगों के हितों की रक्षा के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

बता दें कि दिल्ली के मालवीय नगर स्थित एक होटल में हुए भीषण अग्निकांड की जांच अब राजनीतिक रंग लेने लगी है। इस हादसे में 22 लोगों की मौत के बाद दिल्ली पुलिस ने होटल के शेफ के रूप में कार्यरत उत्तराखंड मूल के केशव नेगी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद उत्तराखंड में राजनीतिक हलकों में बहस छिड़ गई है कि आखिर एक कर्मचारी को मुख्य आरोपी बनाना कितना उचित है, जबकि होटल में सुरक्षा मानकों के उल्लंघन और प्रबंधन की जिम्मेदारी जैसे कई बड़े सवाल अभी भी जांच के दायरे में हैं। दिल्ली पुलिस का दावा है कि प्रारंभिक जांच में शेफ की कथित लापरवाही की भूमिका सामने आई है। वहीं होटल मालिक और अन्य संबंधित लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है तथा जांच जारी है।

●धामी ने की हस्तक्षेप की पहल तो कांग्रेस ने खोला मोर्चा
●मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दिल्ली की सीएम से की बात
●कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने उठाए जांच की निष्पक्षता पर सवाल

मामले पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर होटल के मालिकों और सुरक्षा मानकों की जिम्मेदारी तय किए बिना एक कर्मचारी को मुख्य आरोपी के रूप में प्रस्तुत करना कितना उचित है। कांग्रेस का आरोप है कि जांच की दिशा को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि उत्तराखंड के एक युवक को जल्दबाजी में आरोपी बनाकर पूरे मामले की जिम्मेदारी उस पर डालने की कोशिश नहीं होनी चाहिए। पार्टी ने जरूरत पड़ने पर कानूनी सहायता और राजनीतिक स्तर पर भी मामला उठाने के संकेत दिए हैं।

केशव नेगी की गिरफ्तारी के बाद उनके पैतृक क्षेत्र में भी चिंता और नाराजगी का माहौल देखने को मिल रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हादसे की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और वास्तविक जिम्मेदार लोगों को कानून के दायरे में लाया जाना चाहिए। कई सामाजिक संगठनों ने भी मांग की है कि जांच केवल निचले स्तर के कर्मचारियों तक सीमित न रहे, बल्कि होटल प्रबंध न, सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक जिम्मेदारियों की भी गहन पड़ताल की जाए।

दिल्ली अग्निकांड में हुई जनहानि ने पूरे देश को झकझोर दिया है। ऐसे में सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि हादसे के लिए वास्तविक जिम्मेदार कौन है। मुख्यमंत्री धामी की सक्रियता और कांग्रेस के आक्रामक रुख ने इस मामले को राजनीतिक विमर्श का विषय जरूर बना दिया है, लेकिन आम लोगों की प्राथमिक चिंता न्याय और सच्चाई सामने आने की है। फिलहाल उत्तराखंड की निगाहें जांच एजेंसियों की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं। यदि जांच पारदर्शी और तथ्य आध ारित रही तो विवाद शांत हो सकता है, लेकिन यदि किसी भी स्तर पर पक्षपात या जल्दबाजी की आशंका बनी रही तो यह मामला उत्तराखंड की राजनीति में बड़ा मुद्दा बन सकता है।

कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने किया पौधारोपण

संवाददाता

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने शहीद दुर्गामल्ल मण्डल द्वारा आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और वृक्षारोपण इसके लिए एक प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान प्रकृति के संरक्षण के साथ-साथ मातृ सम्मान का भी प्रतीक है। उन्होंने सभी से अधिक से अधिक पौध ` लगाने तथा उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वृक्ष न केवल पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने में भी सहायक हैं। उन्होंने युवाओं एवं सामाजिक संगठनों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने का आग्रह किया कार्यक्रम में शहीद दुर्गामल्ल मण्डल के पदाधि कारियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, युवाओं एवं क्षेत्रीय नागरिकों ने भी पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर दायित्वधारी ज्योति कोटिया, जिला उद्यान अधिकारी डीके तिवारी, लक्ष्मण सिंह रावत, मोहित खरोला, सुंदर सिंह कोठाल, अनुराग सिंह सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी और पार्टी कार्यकता उपस्थित रहे।

एलटी शिक्षकों को पदोन्नति में टीईटी अनिवार्यता से मुक्त रखा जाए

विकासनगर(आरएनएस)। राजकीय शिक्षक संघ ने साल 2011 तक नियुक्त एलटी शिक्षकों की पदोन्नति में टीईटी (शिक्षक पात्रता परीक्षा) की अनिवार्यता को लेकर शासन से समाधान निकालने की मांग की है। शिक्षकों का कहना है कि टीईटी व्यवस्था उत्तराखंड में वर्ष 2011 से लागू हुई थी। इससे पूर्व नियुक्त एलटी शिक्षकों की नियुक्ति के समय टीईटी की कोई अनिवार्यता नहीं थी। ऐसे में वर्षों बाद नई शर्तों को लागू कर पदोन्नति से जोड़ना निष्पक्षता और संवैधानिक अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं माना जा सकता। राजकीय शिक्षक संघ के पूर्व जिलाध्यक्ष कुलदीप कंडारी ने कहा कि एक आदेश में 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों की पदोन्नति के लिए टीईटी उत्तीर्ण करना अनिवार्य किया गया है, जो कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम के मानक के विपरीत है। नियुक्ति के समय शिक्षक की जो योग्यता अनिवार्य थी, उसे शिक्षक पूरी कराता है। किन्हीं कारणवश सरकार शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से विमुक्त नहीं कर सकती है तो कार्यरत शिक्षकों के लिए अलग से विभागीय और अनुकूलित टीईटी परीक्षा आयोजित करनी चाहिए, जिससे शिक्षक पदोन्नति के अवसरों से वंचित न हो सके। हालांकि टीईटी सिर्फ प्राथमिक शिक्षकों के लिए अनिवार्य की गई थी, लिहाजा माध्यमिक शिक्षकों को इस अनिवार्यता से मुक्त रखा जाना चाहिए। राजकीय शिक्षक संघ के कालसी ब्लॉक अध्यक्ष अनिल राणा और चकराता ब्लॉक मंत्री सोहन लाल, कालसी ब्लॉक मंत्री आशीष डबराल, पूर्व ब्लॉक मंत्री हेमंत कठैत ने कहा कि जिन एलटी शिक्षकों की नियुक्ति के समय कला और व्यायाम विषयों के लिए बीएड योग्यता अनिवार्य नहीं थी, उनकी पदोन्नति में भी टीईटी को बाधा नहीं बनने दिया जाना चाहिए।

120 लोगों ने उठाया नेत्र जांच शिविर का लाभ

ऋषिकेश(आरएनएस)। द हंस फाउंडेशन बहादराबाद हरिद्वार के तत्वाधान में निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 120 लोगों के आंखों की जांच की गई और उन्हें नेत्र रोग से बचाव को जागरूक किया गया।

हरिद्वार में सपा ने किया स्मार्ट मीटर का विरोध

हरिद्वार(आरएनएस)। वाल्मीकि चौक स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय पर पर्यावरण दिवस के अवसर पर बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सचिव सत्यनारायण सचान ने कहा कि समाजवादी पार्टी पूरे देश में खेती बचाओ अभियान की शुरुआत करने जा रही है। खेती बचेगी तभी सबकुछ बचेगा। उन्होंने कहा कि आने वाले भविष्य में सबसे बड़ा संकट खाद्यान्न का है। खेती हमारी धरोहर है और इसे बचाना होगा। अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाए जाएं। पहाड़ से पलायन रुकना बंद नहीं हो रहा है। यह भाजपा सरकार की बहुत बड़ी विफलता है। उन्होंने कहा कि एक तरफ तो सरकार कहती है कि जो व्यक्ति स्मार्ट मीटर नहीं लगवाना चाहता उसके साथ जबरदस्ती नहीं की जाए वहीं दूसरी तरफ ऊर्जा निगम और कार्यदाई संस्था स्मार्ट मीटर लगाने के लिए पुलिस का समर्थन ले रही है। समाजवादी पार्टी इसका पुरजोर विरोध करती है। जबरदस्ती किसी के घर पर स्मार्ट मीटर नहीं लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पुलिस का काम कानून व्यवस्था देखना है। जबकि प्रशासन पुलिस को स्मार्ट मीटर लगाने पर लगा रहा है। देश का किसान, मजदूर और आम आदमी स्मार्ट मीटर का विरोध कर रहा है। सरकार को जनहित कार्य करने चाहिए। प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष महंत शुभम गिरी ने कहा कि स्मार्ट मीटर लगाकर किसानों को भी परेशान किया जा रहा है। किसान पहले से ही गरीब है उसके पास खेती के लिए भी पैसा नहीं होता ऐसे में स्मार्ट मीटर के भारी भरकम बिल कैसे भरेगा। भाजपा सरकार किसान, मजदूर विरोधी सरकार है। इस अवसर पर सपा युवजन सभा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आशीष यादव, माधव अंकित यादव, अजय अग्रवाल, सौरभ यादव, रोहित कुमार, नरेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

सिंचाई समस्या से किसान परेशान, ट्यूबवेल लगाने की मांग

विकासनगर(आरएनएस)। सेलाकुई के नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत वार्ड संख्या-नौ बहादुरपुर में किसान सिंचाई संबंधी समस्याओं से परेशान हैं। किसानों ने इस समस्या से निजात के लिए ट्यूबवेल लगाने की मांग की है। ट्यूबवेल के लिए भूमि उपलब्ध करने के लिए किसानों ने मंथन किया। बैठक में क्षेत्र के किसानों ने बढ़ती गर्मी, लगातार गिरते भू-जल स्तर और सिंचाई के लिए पानी की कमी पर चिंता जताई। कहा कि वार्ड की सभासद अंबिका चौहान ने पूर्व में सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता को पत्र भेजकर क्षेत्र में जलस्तर में लगातार गिरावट, नहरों की सफाई न होने तथा बार-बार बिजली बाधित होने से किसानों को हो रही समस्याओं से अवगत कराया गया था। बैठक के दौरान किसानों को जानकारी दी गई कि सिंचाई विभाग की ओर से आश्वासन दिया गया है कि यदि क्षेत्र में उपयुक्त भूमि उपलब्ध कराई जाती है तो नया ट्यूबवेल स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इससे क्षेत्र की सिंचाई समस्या का स्थायी समाधान संभव हो सकेगा। इस दौरान किसानों से जनहित में ट्यूबवेल स्थापना के लिए भूमि उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया। कुछ किसानों ने इस प्रस्ताव पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए आपसी विचार-विमर्श के बाद निर्णय लेने की बात कही। बैठक में निरंजन चौहान, केहर सिंह खत्री, छबीलाल, भूप सिंह, सीताराम, छितर सिंह, करमचंद, राजेंद्र, ओम प्रकाश, जगदीश, प्रदीप सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

वक्त और फैशन बदला पर नहीं बदला 'गलोबंद' का टशन

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड की समृद्ध लोक संस्कृति में अनेक ऐसे प्रतीक हैं जो केवल परंपरा का हिस्सा नहीं, बल्कि समाज की पहचान भी हैं। इन्हीं में से एक है गलोबंद जो सदियों से पहाड़ की महिलाओं के गले की शोभा बढ़ाने के साथ-साथ उनकी सांस्कृतिक अस्मिता का प्रतीक बना हुआ है। आधुनिकता की तेज रफ्तार के बावजूद गलोबंद आज भी उत्तराखंड की लोक विरासत में अपना विशेष स्थान बनाए हुए है।

पहाड़ की महिलाओं का पारंपरिक श्रृंगार विविध आभूषणों से सुसज्जित रहा है। नथ, पौंजी, हंसुली, गुलूबंद, चरेऊ और गलोबंद जैसे आभूषण न केवल सौंदर्य बढ़ाते हैं, बल्कि स्थानीय संस्कृति और सामाजिक परंपराओं को भी अभिव्यक्त करते हैं। इनमें गलोबंद सबसे विशिष्ट माना जाता है। काले मखमली कपड़े या मोटे धागे की पट्टी पर सोने, चांदी अथवा धातु के कलात्मक टुकड़ों को पिरोकर बनाया जाने वाला यह आभूषण गले से सटा रहता है और महिलाओं के व्यक्तित्व में अलग ही गरिमा जोड़ देता है।

लोक संस्कृति के जानकार बताते हैं कि गलोबंद का इतिहास कई पीढ़ियों पुराना है। पुराने समय में जब पहाड़ के गांवों में आधुनिक आभूषण आसानी से उपलब्ध नहीं थे, तब स्थानीय कारीगर हाथों से गलोबंद तैयार करते थे। प्रत्येक डिजाइन में स्थानीय कला और पारंपरिक सौंदर्यबोध की झलक दिखाई देती थी। कई परिवारों में गलोबंद केवल गहना नहीं, बल्कि पारिवारिक विरासत माना जाता था, जिसे मां अपनी बेटी और सास अपनी बहू को सौंपती थी।

उत्तराखंड के विवाह समारोहों में गलोबंद का विशेष महत्व रहा है। दुल्हन के श्रृंगार में इसे शुभता और सम्मान का प्रतीक माना जाता है। मांगल गीतों और लोक नृत्यों में भी गलोबंद का बार-बार उल्लेख मिलता है। पहाड़ की लोक गायिकाओं द्वारा गाए जाने वाले कई गीतों में महिलाओं के श्रृंगार और आभूषणों का वर्णन मिलता है, जिनमें गलोबंद प्रमुख स्थान रखता है।

❑सामाजिक पहचान व सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है गलोबंद
❑गढ़वाल और कुमाऊं में पारंपरिक महिलाओं का प्रमुख आभूषण
❑विशेष रूप से पहना जाता है विवाह व मांगलिक अवसरों पर
❑कई परिवारों में पीढ़ी-दर-पीढ़ी विरासत के रूप में है यह संरक्षित
❑पहाड़ के लोकगीतों व लोक संस्कृति में है इसका विशेष स्थान

समय के साथ फैशन बदलता गया, लेकिन गलोबंद की लोकप्रियता कम नहीं हुई। आज यह पारंपरिक परिधान के साथ-साथ आधुनिक परिधानों में भी नए रूप में दिखाई देने लगा है। राज्य के सांस्कृतिक मेलों, उत्तरायणी, नंदा देवी महोत्सव और विभिन्न लोक उत्सवों में युवा पीढ़ी भी गलोबंद पहनकर अपनी संस्कृति से जुड़ाव का प्रदर्शन कर रही है। सोशल मीडिया के दौर में भी पारंपरिक पहाड़ी वेशभूषा और गलोबंद की तस्वीरें व्यापक रूप से पसंद की जा रही हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्वीकरण के इस दौर में जब स्थानीय परंपराएं धीरे-धीरे सिमटती जा रही हैं, तब गलोबंद जैसे सांस्कृतिक प्रतीक नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। यह केवल गले का आभूषण नहीं, बल्कि उत्तराखंड की सांस्कृतिक स्मृति, लोक कला और महिलाओं की पहचान का जीवंत दस्तावेज है।

आज भी जब किसी पर्व, विवाह या सांस्कृतिक आयोजन में पारंपरिक वेशभूषा पहने कोई पहाड़ी महिला गलोबंद धारण करती है, तो उसमें केवल सौंदर्य नहीं झलकता, बल्कि सदियों पुरानी लोक परंपरा की चमक दिखाई देती है। यही कारण है कि गलोबंद उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत का ऐसा अनमोल आभूषण है, जिसकी चमक समय के साथ और अधिक निखरती जा रही है।

पहाड़ की संस्कृति केवल मंदिरों, लोकगीतों और पर्वों तक सीमित नहीं है। यहां के पारंपरिक आभूषण भी इस विरासत के महत्वपूर्ण वाहक हैं। गलोबंद उन्हीं में से एक है, जो आज भी पहाड़ की महिलाओं के गले में संस्कृति, गौरव और पहचान बनकर दमक रहा है।

बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सांस्कृतिक गतिविधियां जरूरी:डीएम

हमारे संवाददाता

पौड़ी। जिला मुख्यालय स्थित प्रेक्षागृह में नवांकुर नाट्य समूह द्वारा आयोजित चार दिवसीय नाट्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रतिभागी बच्चों, अभिभावकों एवं आयोजकों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ-साथ रंगमंच, सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

जिलाधिकारी ने कहा कि नवांकुर नाट्य समूह वर्षों से अपनी पहल पर बच्चों को रचनात्मक मंच उपलब्ध कराते हुए उनके व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास और अभिव्यक्ति क्षमता को निखारने का सराहनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे सकारात्मक प्रयास समाज में नई ऊर्जा का संचार करते हैं तथा बच्चों को अपनी प्रतिभा पहचानने और उसे विकसित करने का अवसर प्रदान करते हैं। जिला प्रशासन सदैव ऐसे रचनात्मक और जनहितकारी प्रयासों के साथ खड़ा है।

इस दौरान जिलाधिकारी ने बच्चों द्वारा तैयार की गई कला प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया तथा उनकी रचनात्मकता, कल्पनाशीलता और कलात्मक अभिव्यक्ति की सराहना की। उन्होंने कहा कि कला और संस्कृति बच्चों की सृजनात्मक क्षमता को विकसित करने का प्रभावी माध्यम हैं, जो उनके व्यक्तित्व को नई दिशा प्रदान करते हैं।

उन्होंने कहा कि शिक्षा किसी भी बच्चे के भविष्य की मजबूत नींव है, लेकिन केवल शैक्षणिक उपलब्धियां ही पर्याप्त नहीं हैं। जीवन में सफल होने के लिए आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, संवाद कौशल, रचनात्मक सोच और सकारात्मक व्यक्तित्व का विकास भी आवश्यक है।

जिलाधिकारी ने कहा कि बच्चों को जितनी कम आयु में ऐसे प्रेरणादायी और सृजनात्मक वातावरण से जोड़ने का अवसर मिलेगा, उनका मानसिक, बौद्धिक और सामाजिक विकास उतना ही बेहतर होगा। रंगमंच बच्चों की झिझक दूर करने, उनकी अभिव्यक्ति को सशक्त बनाने तथा सार्वजनिक मंचों पर आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रखने की क्षमता विकसित करता है। इस अवसर पर सभासद अरविंद रावत, नवांकुर नाट्य समूह के सचिव यमुना राम, संरक्षक सुरेंद्र रावत, भारतेंदु नाट्य अकादमी के प्रशिक्षक अजीत बहादुर, मनोज दुर्बी सहित जनप्रतिनिधि, प्रतिभागी बालक-बालिकाएं, उनके अभिभावक तथा अन्य स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

ऐसे साफ करें वॉशिंग मशीन, कभी नहीं होगा खराब, कपड़े और साफ धुलेंगे

वॉशिंग मशीन से कपड़े धोना बेहद आसान हो गया है। यह हमारा बहुत सारा समय बचाती है और कपड़े धोने में मेहनत भी कम लगती है। कुछ लोग सप्ताह में एक बार कपड़े धोने के लिए मशीन लगाते हैं तो कुछ लोग रोजाना या अल्टरनेट दिनों में इसका उपयोग करते हैं। लेकिन, लंबे समय तक इस्तेमाल होने से मशीन में पानी, साबुन, धूल और अन्य बचे हुए पदार्थ जमा हो जाते हैं जिससे वह गंदी हो जाती है। अगर समय-समय पर इस गंदगी को साफ नहीं किया जाता है तो मशीन ठीक से काम करना बंद कर सकती है। इसलिए, वॉशिंग मशीन को साफ रखना बेहद जरूरी है।

सिरका और बेकिंग सोडा

वॉशिंग मशीन के ड्रम में 2 कप सिरका डालें। अब मशीन को सबसे उच्चतम तापमान पर चलाएं। जब यह समाप्त हो, उसमें ड्ड कप बेकिंग सोडा डालें और फिर से एक चक्र चलाएं। सिरका और बेकिंग सोडा गंदगी, चिपचिपा मैल और बैक्टीरिया को नष्ट करते हैं। विनेगर दुर्गंध को खत्म कर देगा।

नींबू का रस

दो बड़े निम्बू को स्क्वीज करें और जूस को वॉशिंग मशीन के ड्रम में डालें। नींबू के एसिडिक गुण जीवाणुओं को मारते हैं और फ्रेश स्मेल भी देते हैं। लेमन के रस में अम्लीय गुण होते हैं जो गंदगी को खत्म करने में मदद करते हैं।

टूथब्रश और पुरानी टूथपेस्ट

टूथब्रश को पुरानी टूथपेस्ट में डूबोकर मशीन के अधिक गंदे हिस्सों, जैसे कि डिटर्जेंट ट्रे या गास्केट, को साफ कर सकते हैं।

हॉट वॉटर धुलाई

खाली मशीन में सबसे उच्चतम तापमान पर धुलाई करने से बैक्टीरिया और अन्य जीवाणु नष्ट होते हैं।

ड्रायर शीट

अगर आपकी मशीन में बदबू है, तो एक ड्रायर शीट को ड्रम में डालकर एक चक्र चला सकते हैं। यह मशीन को ताजगी प्रदान करता है।

बोरेक्स पाउडर

बोरेक्स पाउडर को गर्म पानी में घोलकर मशीन में डालें। यह जंग लगने से रोकता है और सफाई करता है।

क्या लेटकर ब्लड प्रेशर चेक करने से सटीक आ सकती है रीडिंग?

जब लोग हाई या लो ब्लड प्रेशर के शिकार होते हैं तो उनको अक्सर कई मौकों पर बीपी की रीडिंग लेने के निर्देश दिए जाते हैं। ब्लड प्रेशर की रीडिंग लेने के लिए अभी तक हेल्थ एक्सपर्ट लेटने की बजाय बैठकर बीपी की रीडिंग लेने की सलाह देते थे। कहा जाता है कि इससे बीपी की रीडिंग काफी सटीक आती है। लेकिन हाल में अमेरिका में हुई एक स्टडी में कहा गया है कि बैठकर बीपी की रीडिंग लेने की अपेक्षा अगर लेटकर रीडिंग ली जाए तो ज्यादा सटीक रीडिंग आने के चांस बढ़ जाते हैं। हालांकि इस स्टडी को लेकर कोई आधिकारिक दावा नहीं किया गया है लेकिन डॉक्टर इस संबंध में विचार कर रहे हैं। इससे पहले भी कई बार इस तरह की स्टडी हो चुकी हैं कि मरीज को किस पोजिशन में बीपी की रीडिंग लेनी चाहिए।

हाल ही में स्टडी में कहा गया है कि बैठने या किसी और मुद्रा की बजाय अगर लेटकर बीपी की रीडिंग ली जाए तो बेहतर और सटीक रीडिंग आने की उम्मीद बढ़ सकती है। हालांकि ये रिसर्च अपनी अपने प्रारंभिक स्टेप में है, लेकिन विशेषज्ञ इसको लेकर चर्चा कर रहे हैं। इस स्टडी में कहा गया है कि लेटकर बीपी की रीडिंग लेने से स्ट्रोक, हार्ट रिलेटेड गंभीर बीमारी और यहां तक कि संभावित मौत का अनुमान लगाने में काफी आसानी होती है और इससे हार्ट संबंधी मौतों का आंकड़ा कम किया जा सकता है।

इस स्टडी में करीब 12 हजार लोगों को शामिल किया गया। इन सभी लोगों को बीपी की परेशानी थी। सभी मरीजों को लिटाकर और बैठाकर दोनों ही पोजीशन में इनके ब्लड प्रेशर की रीडिंग ली गई। स्टडी में शामिल लोगों की उम्र 25 से लेकर 55 साल के बीच की थी और सभी को चार ग्रुप्स में बांट दिया गया। ये ग्रुप नॉर्मल, हाई और लो बीपी के मरीजों के बने थे। इसके बाद हर ग्रुप को अलग अलग पोजिशन में रीडिंग देने के लिए कहा गया। इस तरह रीडिंग लेने के बाद पाया गया कि हाई और लो बीपी वाले मरीजों की सटीक रीडिंग लेटकर ही पाई गई। ऐसे लोगों में 62 फीसदी लोगों में स्ट्रोक का खतरा देखा गया जबकि 72 फीसदी लोगों में हार्ट कोरोनरी बीमारी का खतरा पाया गया।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

घर के कई मुश्किल कामों को आसान बनाता है प्याज

भारतीय रसोई में प्याज ना हो यह सम्भव ही नहीं है। प्याज के बिना सब्जी बनाना गृहणियों को बहुत मुश्किल नजर आता है। भोजन का जायका बढ़ाने में प्याज का इस्तेमाल किया ही जाता है। कई लोग तो हर सब्जी में प्याज का इस्तेमाल करते हैं। सब्जी की ग्रेवी बनानी हो या पास्ता प्याज का इस्तेमाल होता ही है। हालांकि काटने में मेहनत बहुत होती है और आंखों में आंसू जरूर आते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं आपको रूलाने वाला यह प्याज घर के कई मुश्किल काम को आसान बनाता है। आज इस कड़ी में हम आपको प्याज से जुड़े कई ऐसे बेहतरीन काम के बारे में बताने जा रहे हैं जो आपने कभी सोचे भी नहीं होंगे।

फलों को खराब होने से बचाता है

कोई भी फल ज्यादा देर तक कटा रखा रहने पर उसमें ऑक्सीडेशन प्रोसेस शुरू हो जाती है और वह भूरा और खराब सा होने लगता है। प्याज में मौजूद नेचुरल मॉइश्चर और सल्फर इस प्रक्रिया को धीमी करने और एवाकाडो, सेब जैसे फलों को ज्यादा वक्त तक अच्छा रखने में मददगार होता है।

जंग हटाता है प्याज

प्याज के रस का उपयोग जंग को हटाने में भी किया जा सकता है। कई बार किचन के किसी बर्तन, चाकू या फिर चम्मचों में नमी की वजह से जंग लगने लगती है। कई बार साबुन से साफ करने पर भी जंग दूर नहीं होती है। ऐसी सूरत में प्याज काफी काम आ सकता है। चाकू पर जंग गलने पर चाकू को प्याज के अंदर घुसाकर कुछ वक्त के लिए छोड़ दें और उसके बाद निकालकर साफ करें तो जंग चली जाती है। इसी तरह प्याज के रस को जंग की जगह पर कुछ वक्त तक घिसने पर भी असर दिखाई देता है।

बालों की ग्रोथ बढ़ाता है प्याज का रस

प्याज के रस का उपयोग बालों के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। कई घरेलू नुस्खों में बालों के इलाज के लिए प्याज का उपयोग किया जाता है। प्याज में काफी मात्रा में सल्फर मौजूद होता है जो बालों की ग्रोथ को बढ़ाता है। पेंट की गंध को भगाता है घर में अगर आपने नया-नया पेंट कराया है तो उसकी स्मेल आपको परेशानी में डाल सकती है। इस तरह की परेशानी का सामना करने पर तीन चार

प्याज को टुकड़ों में काटकर एक प्लेट में उस रूम में रख दें जहां पेंट हुआ है। कुछ घंटों में ही प्याज पेंट की स्मेल को एब्जॉर्ब कर लेगा।

कार की विंडशील्ड पर नहीं जमती फ्रॉस्ट

सर्दियों के दिनों में कार की विंडशील्ड पर रात में नमी और ओस जमना एक आम समस्या होती है। सुबह जल्दी गाड़ी का इस्तेमाल करने वाले लोगों को इस वजह से काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। अगर प्याज की स्लाइस को रात में विंडशील्ड पर घिस दिया जाए तो सुबह आप देखेंगे की विंडशील्ड पर फ्रॉस्ट नहीं जमी है।

चमकदार व साफ करता है ओवन

खाने को स्वादिष्ट बनाने वाला ओवन और ग्रिल जब गंदा हो जाता है तो उसे साफ करना काफी मुश्किल काम होता है, लेकिन प्याज की मदद से आप इसे आसानी से साफ कर सकते हैं। यहां प्याज की एंटीबैक्टीरियल और एंटीसेप्टिक प्रॉपर्टीज़ काफी कारगर साबित होती हैं। प्याज का छिलका उतारकर उसके राउंड स्लाइस काट लें और फिर ग्रिल की रॉड्स और ओवन को घिसकर साफ करने में इस्तेमाल करें। यह खाने में लगने वाले बैक्टिरया को भी खत्म कर देता है।

जलने की बदबू को सोखता है प्याज

सभी घरों में ये आम है कि कभी बनाते वक्त चावल जल जाएं या फिर दूध ज्यादा उबलने से गैस बर्नर पर गिर जाए या कभी दाल ज्यादा पकने की वजह से जल जाए। जब भी कभी ऐसा होता है तो किचन एक अजीब तरह की बदबू से भर जाता है। जिसे दूर होने में काफी वक्त लगता है। ऐसी मुश्किल स्थिति में प्याज का उपयोग काफी कारगर हो सकता है। जब भी कभी ऐसा हो तो प्याज के कुछ स्लाइस को स्टोव के पास रख देना चाहिए। इससे कुछ देर में ही प्याज सारी बदबू सोख लेता है।

शब्द सामर्थ्य -060

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. खूब कसा हुआ, फूर्तिला, जो शिथिल व आलसी न हो 3. सार्वजनिक स्थान, संस्था, अस्तित्व, समिति 4. पौरुष, पुरुषत्व, मर्द होने का भाव 6. अंधेरा, अंधकार 7. लिपाई करना 9. शरीर, काया, जिस्म 10. मां के पिता, विभिन्न 12. महीना, मास 14. प्रियतम, बलमा, सजना 15. पांडवों का सबसे छोटा भाई 17. नशा, घमंड, खाता 19. वनोपज, वन से प्राप्त सामाग्री 21. शक्तिशाली, बलवान 24. तीव्र इच्छा 25. हथेली।

ऊपर से नीचे

1. निंदा, बुराई 2. निर्जीव, निष्प्राण 3. ध्वनियों या स्वरों का विशिष्ट लय में प्रस्फुटन, धुन, म्युजिक 4. झुका हुआ, विनीत 5. रूठे हुए को प्रसन्न करना, राजी करना 8. आश्रय, शरण 11. जन्म, जिंदगी 12. इंसानियत, मनुष्यता 13. रास्ता, मार्ग 14. एक हिंदी महीना, श्रावण 15. सपाट, जो उबड़-खाबड़ न हो 16. पति का छोटा भाई 18. गहरा कीचड़, पंक 20. आत्मा, अंत:करण (उ.) 22. बीता हुआ या आने वाला दिन 23. बगुला।

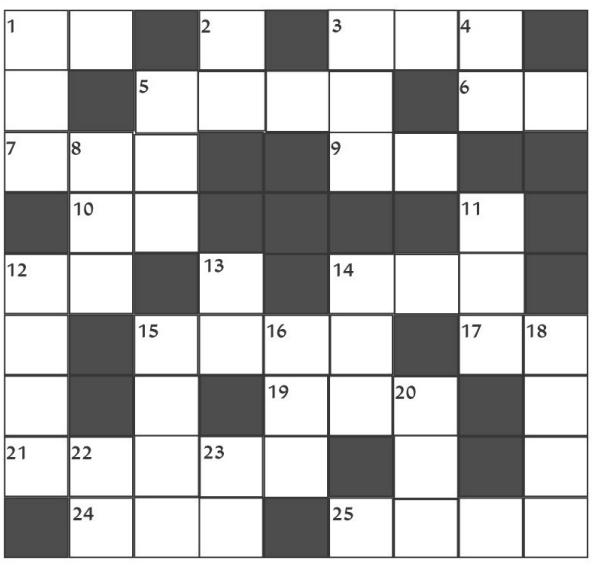

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 59 का हल

गु	मा	न			प	यो	द	
न		ह	क	दा	र		ल	य
ह	वा	ला	त		च		द	म
गा			रा	ज	म	ह	ल	
र	ई	स		ग		स		अ
	मा		प	त	वा	र		ल
ख	न	क	ना		ह	त		बे
स	दा		ह		वा		शो	ला
रा	र				ही	र	क	

समर सीजन में स्टाइलिश दिखने के लिए वॉर्डरोब में शामिल करें ये ट्रेंडिंग बैग्स

हैंडबैग्स कभी भी आउट ऑफ स्टाइल नहीं हो सकते, क्योंकि यह हमारे पूरे आउटफिट में एक फैशनेबल और उपयोगी एक्सेसरी है, जिसे कैरी करना न केवल स्टाइलिश है बल्कि जरूरी भी है. हालांकि, गर्मियों के बैग हम पर थोड़ा अलग प्रभाव डालते हैं क्योंकि ये हल्के और खिलने वाले होने चाहिए, और साथ में ये हमारे गर्मियों के आरामदायक फिट के साथ मैच भी होने चाहिए. क्रोशिया से लेकर रैफिया तक, इस गर्मी के मौसम में इन 5 तरह के समर बैग को आपको अपने वॉर्डरोब जरूर शामिल करना चाहिए. आइये देखते हैं.

हैंडबैग्स कभी भी आउट ऑफ स्टाइल नहीं हो सकते, क्योंकि यह हमारे पूरे आउटफिट में एक फैशनेबल और उपयोगी एक्सेसरी है, जिसे कैरी करना न केवल स्टाइलिश है बल्कि जरूरी भी है. हालांकि, गर्मियों के बैग हम पर थोड़ा अलग प्रभाव डालते हैं क्योंकि ये हल्के और खिलने वाले होने चाहिए, और साथ में ये हमारे गर्मियों के आरामदायक फिट के साथ मैच भी होने चाहिए. क्रोशिया से लेकर रैफिया तक, इस गर्मी के मौसम में इन 5 तरह के समर बैग को आपको अपने वॉर्डरोब जरूर शामिल करना चाहिए. आइये देखते हैं.

हैंडबैग कभी भी स्टाइल से बाहर नहीं जा सकता क्योंकि यह आपके पूरे पहनावे में एक फैशनेबल और उपयोगी एक्सेसरी है जो आपको कभी निराश नहीं करेगा. अगर आप क्लच की शौकीन हैं तो लिफाफा क्लच आपके वॉर्डरोब में होने चाहिए. यह आपको सिग्नेचर, सील्ड और डिलीवरी जैसे क्लासिक वाइब देते हैं, जो सीधे मिलान रनवे से आते हैं और दुनिया भर में छा हुए हैं. बोट्टेगा वेनेटा, गुच्ची जैसे कई लोकप्रिय लक्जरी ब्रांड ने इस तरह के क्लच लॉन्च किए हैं, जो हाल ही में मुख्य रूप से मशहूर हस्तियों और बिजनेस वुमन्स के बीच काफी हिट हो रहा है.

विंटेज शोल्डर बैग वापस स्टाइल में आ गए हैं, जिन्हें बैगूएट्स भी कहा जा रहा है और पेस्टल शेड्स में ये काफी लोकप्रिय हो रहे हैं, जिसमें चेरी मोचा कलर समर के लिए सदाबहार है. इन शोल्डर बैग में आपकी जरूरी चीजों के लिए न्यूनतम जगह होती है और ये समर कैजुअल के साथ या लॉन्ग और शॉर्ट ड्रेस के साथ समर डेट नाइट के लिए क्लासिक दिखते हैं. क्लीन लाइन्स और छोटी स्ट्रैप आपको एक सॉफ्ट गर्ल-एरा वाली वाइब देंगी.

कार्गो बैग के प्रति ऑफिस गोइंग गर्ल्स के बीच काफी क्रेज देखने को मिलता है. खासतौर से जिन्हें हर समय अपने लैपटॉप की आवश्यकता होती है. इस तरह के बैग में सही अलाइनमेंट और सेटिंग्स दी गई होती हैं, जिससे आपके सभी आवश्यक सामानों जैसे एक लैपटॉप, पानी की बोतल और कई अन्य छोटी आसानी से आ सकती हैं. ये कार्गो-स्टाइल स्क्वायर ऑफिस टोट बैग हर लड़की के बीच वायरल है और लगभग हर किसी की अलमारी में देखे जा सकते हैं. अगर आप एक ऑफिस गर्ल हैं और अपनी दुनिया अपने बैग में रखना चाहती हैं तो क्लासिक और आकर्षक लुक देते हुए इन बैग्स को चुनें.

डफ़ल या टिफ़िन बैग से इंस्पिरेशन लेते हुए, ये बकेट बैग वैनिटी से प्रतिध्वनित होते हैं. इंस्पिरेशन में किसी का वैनिटी डिज़ाइन भी शामिल हो सकता है जहां ये बकेट बैग छोटे मिनिएचर बॉक्सेस का आकार लेते हैं और एक टॉप-नॉच वाइब देते हुए काफी आकर्षक लगते हैं. इस तरह के बैग्स समर आउटफिट के पूरे लुक को निखारते हैं और दिन और रात दोनों तरह के आउटफिट के साथ बहुत अच्छे लगते हैं.

पंखे को साफ करें बिना स्टूल के, जानें यह खास तरीका क्या है?

अक्सर पंखे की सफाई करने के लिए हमें स्टूल या सीढ़ी का इस्तेमाल करना पड़ता है, जो कि कभी-कभी खतरनाक भी होता है. लेकिन अगर आपको ऐसा तरीका मालूम हो जो सेफ भी हो और आपके पंखे को आसानी से साफ भी कर दे, तो कितना अच्छा होगा. आज हम आपको बताएंगे खास तरीके जिससे आप बिना स्टूल या सीढ़ी के अपने पंखे को साफ कर सकते हैं. यह तरीका न सिर्फ सेफ है, बल्कि इससे आपका समय भी बचेगा और पंखे अच्छे से साफ हो जाएगा. आइए जानते हैं यहां..

फैन क्लीनर स्टिक का उपयोग करें- फैन क्लीनर स्टिक एक लंबे हैंडल वाला डस्टर होता है, जिसमें एक सिरे पर कपड़ा लगा होता है. यह बाजार में आसानी से उपलब्ध है और इसकी मदद से आप बिना ऊंचाई पर चढ़े पंखे के ब्लेड्स को अच्छी तरह से साफ कर सकते हैं.

घरेलू क्लीनर का इस्तेमाल करें- एक बाउल में आधा कप तेल और नमक का मिश्रण बनाएं. इस मिश्रण को एक बाल्टी पानी में मिला लें और फैन क्लीनर स्टिक को इसमें भिगो दें. फिर इस स्टिक से पंखे के ब्लेड को साफ करें और बाद में साफ पानी से पोंछ दें. इससे आपका पंखा बिलकुल साफ हो जाएगा.

वैक्यूम क्लीनर का उपयोग- वैक्यूम क्लीनर भी पंखे की सफाई में मदद कर सकता है. वैक्यूम का हैंडल पकड़ें और इसे पंखे के नीचे लेकर जाएं. धूल और गंदगी वैक्यूम में चली जाएगी और आपका पंखा साफ हो जाएगा.

डस्टर का उपयोग करें- लंबे हैंडल वाला डस्टर आपके पंखे की पंखुड़ियों तक आसानी से पहुंच सकता है. डस्टर को पंखे की पंखुड़ियों पर फिराएं ताकि सारी धूल हट जाए.

माइक्रोफाइबर क्लॉथ का इस्तेमाल करें- डस्टिंग के बाद, माइक्रोफाइबर क्लॉथ को सफाई के स्प्रे से गीला करें और पंखुड़ियों को अच्छी तरह से पोंछें. यह कपड़ा धूल के कणों को अच्छी तरह से पकड़ लेगा और आपके पंखे को चमका देगा.

40 की उम्र में बला की हसीन हैं नुसरत भरुचा, एक लुक में एक्ट्रेस ढाती हैं कहर

बॉलीवुड एक्ट्रेस नुसरत भरुचा अपनी एक्टिंग के साथ-साथ अपने ग्लैमरस और स्टाइलिश लुक्स के लिए भी जानी जाती हैं. 40 की उम्र में भी नुसरत भरुचा अपने ग्लैमरस और स्टाइलिश लुक्स से फैंस का दिल जीत रही हैं. हर आउटफिट में उनका कॉन्फिडेंस और एलीगेंस देखने लायक है, जहां वह अपने हर लुक से सोशल मीडिया पर तहलका मचा देती हैं.

नुसरत भरूचा का जन्म 17 मई 1985 में मुंबई में हुआ था. नुसरत भरूचा ने अपने करियर की शुरुआत छोटे पर्दे से की थी. वो पहली बार टीवी शो किटी पार्टी में दिखाई दी थीं. इसके बाद नुसरत भरूचा ने साल 2006 में फिल्म जय संतोषी मां से बॉलीवुड में कदम रखा. इसके बाद वो 2009 में फिल्म कल किसने देखा है में दिखाई दीं. दोनों फिल्में कुछ खास नहीं कर सकीं. फिर साल 2011 में आई फिल्म प्यार का पंचनामा ने एक्ट्रेस को पॉपुलर कर दिया. फिल्म में कार्तिक आर्यन और नुसरत की जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया. इस फिल्म के बाद नुसरत भरूचा को लोग पसंद करने लगे. साल 2015 में, वो फिल्म प्यार का पंचनामा 2 में में भी नजर आईं, लेकिन साल 2018 में, उनके करियर ने एक बड़ा मोड़ लिया. साल 2018 में नुसरत भरूचा फिल्म सोनू के टीटू की स्वीटी में नजर आईं थीं. इस फिल्म में उनके साथ कार्तिक आर्यन और सनी सिंह जैसे कलाकार थे. ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर एक बड़ी हिट थी. फिल्म में उन्होंने स्वीटी का रोल निभा कर अपने अभिनय का लोहा मनवाया. इसके बाद एक्ट्रेस ड्रीम गर्ल, छोरी, सेल्फी, राम सेतु जैसी फिल्मों में दिखाई दी. हर एक फिल्म में नुसरत का अलग अंदाज देखने को मिला. बता दें, बड़े पर्दे पर एक्ट्रेस ने कई ग्लैमरस रोल निभाए हैं. वहीं ये हसीना रियल लाइफ में भी बेहद ही ,स्टाइलिश और ग्लैमरस है. सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस आए दिन अपनी दिलकश फोटोज शेयर करती रहती हैं. जिसके लोग दिवाने नजर आते हैं. चाहे वेस्टर्न हो या एथनिक नुसरत हर एक लुक से बिजलियां गिराती हैं. 40 की उम्र में भी एक्ट्रेस अपने लुक्स से लोगों का दिल जीत लेती हैं. बता दें, नुसरत को इंस्टाग्राम पर 6.4 मिलियन लोग फॉलो करते हैं. फैंस उनके हर एक ग्लैमरस लुक्स को देखने के लिए बेताब रहते हैं.

अगर पेड़ वाईफ़ाई देते ना, तो इंसान उन्हें रिचार्ज प्लान समझकर बचा के रखते : शहनाज़ गिल

एक्ट्रेस शहनाज़ गिल ने हाल ही में ट्री प्लांटेशन ड्राइव को सिर्फ इवेंट नहीं, इमोशन बना दिया। उन्होंने अपने दादा प्यारा सिंह की याद में एक पौधा लगाया – और इस छोटे से कदम में ढेर सारी मोहब्बत छुपी थी। दिल से बात करते हुए शहनाज़ ने ऐसा डायलॉग मारा जो सीधा दिल और दिमाग दोनों में सेव हो गया- अगर पेड़ वाईफ़ाई दे रहा होता ना, तो कोई उसे काटता ही नहीं! लेकिन पेड़ ऑक्सीजन दे रहा है, इसलिए सबको प्रॉब्लम है। फल खाओ, मजे से खाओज् पर जड़ मत काटो। सुनो जी, ध्यान रखो – पेड़ लगाओ, बहुत जरूरी है! और घरवालों को भी बोलोज् जो दिनभर पड़ोसियों के साथ गॉसिप सम्मेलन' करते हैं, वो मिलकर पेड़ लगाएं।

अपना आस-पास ठीक करो, एनवायरनमेंट खुद ही सेट हो जाएगा! अपनी सिग्नेचर देसी सच्चाई और फुल-ऑन रियल वाइब के साथ, शहनाज़ ने वो सच्चाई बोल दी जो हम सब जानते हैंज् पर इग्नोर करते हैं। ऑक्सीजन फ्री है, इसलिए उसकी वैल्यू नहीं समझते – ये सीधा ताना भी था और मीठा रिमाइंडर भी।

उनकी बातों और इस प्यारे ट्रिब्यूट ने इस ड्राइव को सिर्फ पेड़ लगाने का प्रोग्राम' नहीं रहने दिया, बल्कि एक ऐसा मैसेज बना दिया जो घर-घर तक पहुंचना चाहिए – बदलाव बड़ी स्पीच से नहीं, छोटे-छोटे कामों से शुरू होता है। वर्क फ्रंट की बात करें तो शहनाज़ गिल जल्द ही इश्कनामा में नजर आने वाली हैं – और फैंस का एक्साइटमेंट तो पहले से ही फुल चार्ज है!

दो घंटे की बारिश से शहर से लेकर गांव तक की सड़कें बनीं तालाब

कोटद्वार(आरएनएस)। भाबर क्षेत्र में हुई करीब दो घंटे की तेज बारिश ने लोनिवि, नगर निगम और संबंधित विभागों की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी। बारिश के बाद शहर और आसपास की मुख्य सड़कों से लेकर ग्रामीण संपर्क मार्गों तक जलभराव हो गया और सड़कें तालाब में तब्दील हो गईं। ऐसे में लोगों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ा।सबसे ज्यादा परेशानी किशनपुर और हल्दूखाता के बीच मिलन चौक पर हुई। यहां जशोधरपुर औद्योगिक क्षेत्र और आसपास के इलाके का पानी खेतों में होते हुए सड़क पर आ गया। इसी क्षेत्र में जशोधरपुर सिडकुल के गंदे पानी की निकासी के लिए नाला भी बनाया गया है लेकिन यह नाला भूमिगत होने के कारण चोक पड़ा रहता है। तीन से चार जगहों पर जलभराव होने से लोगों को पैदल आवाजाही में परेशानी झेलनी पड़ी। देवीरोड पर भी कई जगहों पर जलभराव होने से लोग परेशान रहे। सड़क पर जमा पानी के कारण दोपहिया वाहन चालकों को सबसे अधिक परेशानी हुई। कई स्थानों पर वाहन रेंगते हुए गुजरते दिखाई दिए जबकि पैदल चलने वाले लोगों को भी जलभराव के बीच से ही निकलना पड़ा। स्थानीय देशबंधु गढ़वाली, ईश्वर सिंह, भगत सिंह, राकेश ध्यानी का कहना है कि बारिश शुरू होते ही जल भराव हो जाता है। नालियों की सफाई और ड्रेनेज सिस्टम की कमी के कारण पानी सड़कों पर जमा हो रहा है। मगर स्थायी समाधान नहीं हो रहा है। वहीं लोनिवि दुगड्डा के ईई निर्भय सिंह का कहना है कि देवीरोड पर सिमलचौड़ से लेकर लालबत्ती चौक तक सड़क पुनर्निर्माण के दौरान सड़क को ऊंचा उठाने के साथ ही निकासी नालियां दुरुस्त की जाएंगी। जशोधरपुर क्षेत्र में भी जलभराव का समाधान तलाशा जाएगा।

एक साल में दोगुनी हुए सीज वाहनों की संख्या

चमोली(आरएनएस)। लगातार चालान और चेकिंग के बावजूद वाहन चालक यातायात नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। स्थिति यह है कि एक साल में ही सीज वाहनों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है। चमोली परिवहन विभाग ने सड़क दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने के लिए बड़ी कार्रवाई की है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में चमोली परिवहन विभाग ने 4835 वाहनों के चालान किए। इसी अवधि में 22 वाहनों को सीज भी किया गया। इस दौरान वाहन स्वामियों से 86 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी अभिषेक भटगांई ने बताया कि इस कार्रवाई से विभाग के राजस्व में लगभग 20 फीसदी की वृद्धि हुई है। यह वृद्धि वित्त वर्ष 2024-25 की तुलना में दर्ज की गई है। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में 1536 वाहनों के चालान हुए थे। उस वर्ष 83 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। 12 वाहनों को सीज किया गया था। उन्होंने बताया कि विभाग हाईवे और संपर्क मार्गों पर लगातार वाहनों की चेकिंग कर रहा है। एनपीआर कैमरों से भी नियमों का उल्लंघन करने वालों पर नजर रखी जा रही है।

सू- दोकू क्र.060

	9		1	6		2		7
3								
		6					9	
7			5		1		3	
	8			9		6		2
		4					7	
	3				2	9		6
6		7	3					4
	4			1		7	8	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.59का हल

2	6	3	9	8	7	1	5	4
8	5	1	3	2	4	6	7	9
9	4	7	1	5	6	8	2	3
3	9	8	6	7	1	5	4	2
6	1	2	5	4	3	9	8	7
5	7	4	8	9	2	3	1	6
1	2	6	7	3	5	4	9	8
4	8	5	2	6	9	7	3	1
7	3	9	4	1	8	2	6	5

मुख्यमंत्री आदर्श ग्राम योजना के तहत की विकास कार्यों की समीक्षा

हमारे संवाददाता

चमोली। जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत विकासखंड गैरसैंण की ग्राम पंचायत सारकोट में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को सभी कार्यों को निर्धारित समयावधि में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। ग्रामीण निर्माण विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि सारकोट के पांचों तोकों में लगभग 250 आवासों के सौंदर्यीकरण कार्य को उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए। उन्होंने गौशालाओं के निर्माण कार्यों को भी प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश दिए। सामूहिक कृषि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभाग द्वारा कराए जा रहे लगभग 950 मीटर सोलर चेन लिंक फेंसिंग कार्य में तेजी लाने तथा इसे शीघ्र पूर्ण करने को कहा। साथ ही प्राथमिक विद्यालय सारकोट में संचालित सिविल एवं अन्य विकास कार्यों को भी समयबद्ध रूप से पूरा करने के निर्देश दिए।

कृषि विभाग की प्रगति की समीक्षा के दौरान बताया गया कि ग्राम पंचायत सारकोट में 203 से अधिक कृषकों की 126.22 हेक्टेयर कृषि भूमि को चेन लिंक फेंसिंग के माध्यम से सुरक्षित किया जाना है। विभाग द्वारा 10 जियो लाइन टैंकों का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है तथा चार टैंक निर्माणाधीन हैं। इसके अतिरिक्त 1600 मीटर चेन लिंक फेंसिंग का कार्य भी पूरा कर लिया गया है।

जिलाधिकारी ने कृषि अधिकारी को निर्देशित किया कि पूरे गांव को सोलर फेंसिंग से आच्छादित करने के लिए विस्तृत प्रस्ताव तैयार किया जाए। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को भी निर्देश दिए कि सारकोट में स्वास्थ्य एवं जनस्वास्थ्य से जुड़े सभी आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण किया जाए, ताकि ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

बैठक में जिलाधिकारी ने सारकोट में किए जा रहे विकास कार्यों को आदर्श मॉडल बताते हुए विकासखंड के परवाड़ी गांव को भी इसी तर्ज पर विकसित करने के लिए खंड विकास अधिकारी को विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिषेक गुप्ता, जिला विकास अधिकारी के के पंत,अधिशासी अभियंता अल्लादिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

युवाओं में केंद्र सरकार की युवा विरोधी रवैये से भारी रोषः जोशी

देहरादून (हसं)। प्रदेश कांग्रेस के पूर्व सचिव महेश जोशी ने कहा कि देश का युवा अब जाग चुका है और अपने भविष्य के प्रति चिंतित है। केंद्र सरकार के युवा विरोधी रवैये से युवाओं में भारी रोष है। उन्होने कहा कि नीट पेपर लीक ,सीबीएसई कापी जांच के नाम पर बडे पैमाने पर अनियमितता गडबडी की गई जिसके लिये शिक्षा मंत्री सीधेतोर पर जिम्मेवार है लेकिन् केन्द्र सरकार हठधर्मिता से अडियल रवैया अपनाये हुये है और जिम्मेवारी जवाबदेही से भाग रही है। जिससे युवा केंद सरकार की दमनकारी नीतियों के खिलाफ सड़को पर है और शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांग रहे है। केन्द्र सरकार दो करोड़ रोजगार प्रत्येक वर्ष देने का वादा कर सत्ता में आई भाजपा हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है। बेरोजगारी महंगाई चरम पर है समाज का हर वर्ग केंद्र सरकार की नीतियों एवं निर्णयो से परेशान है। हद तो तब हो गई जब जिम्मेवार पद पर बैठा व्यक्ति देश के युवाओं की तुलना काकरोच से की जिससे युवा भड़क गया और आग मे घी का काम किया जिसने युवाओं को एकजुट कर आंदोलित किया जो केंद्र सरकार के ताबूत की अंतिम कील साबित होगा और सत्ता से उखाड़ फेंकेगा।

यात्रा सीजन में ट्रैफिक प्रबंधन का प्रभावी उपाय बना गेट सिस्टम

हमारे संवाददाता

चमोली। चारधाम यात्रा के चरम दौर में बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर बढ़ते यातायात दबाव के बीच ज्योतिर्मठ में जिला प्रशासन एवं पुलिस द्वारा लागू किया गया गेट सिस्टम प्रभावी साबित हो रहा है। स्थानीय लोगों, व्यापारियों और यात्रियों ने इसे जाम की समस्या से राहत दिलाने वाला महत्वपूर्ण कदम बताते हुए प्रशासन की पहल की सराहना की है।

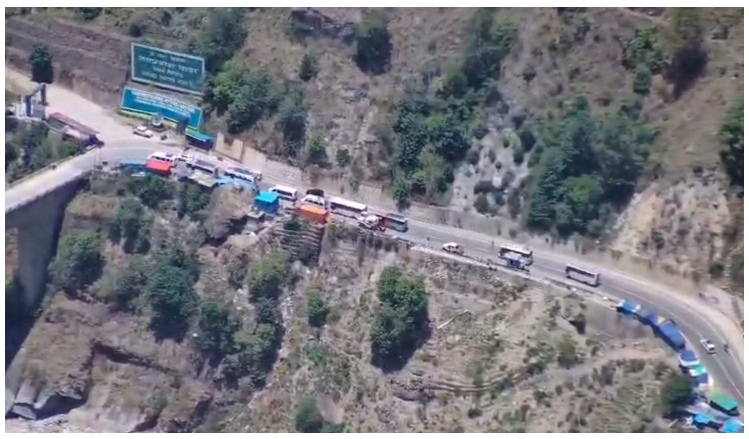

जनपद चमोली में इन दिनों देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु चारधाम यात्रा के लिए पहुंच रहे हैं। यात्रा शुरू होने के 43 दिनों के भीतर ही 9,08,619 श्रद्धालु श्री बद्रीनाथ धाम तथा 55,411 श्रद्धालु श्री हेमकुंड साहिब के दर्शन कर चुके हैं। प्रतिदिन 20 हजार से अधिक श्रद्धालुओं के आगमन से बद्रीनाथ हाईवे पर वाहनों का दबाव लगातार बढ़ रहा है।

ज्योतिर्मठ से मारवाड़ी के मध्य अक्सर लगने वाले जाम को देखते हुए जिलाधिकारी गौरव कुमार के निर्देश पर तहसील प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने संयुक्त रूप से गेट सिस्टम लागू किया है। इस व्यवस्था के तहत निर्धारित समयांतराल पर एक दिशा से वाहनों का संचालन किया जा रहा है, जिससे यातायात को व्यवस्थित और सुचारु बनाए रखने में मदद मिल रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गेट सिस्टम लागू होने से नगर क्षेत्र में यातायात व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। पहले घंटों तक जाम की स्थिति बनी रहती थी, जिससे स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों और पैदल यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। अब वाहनों की आवाजाही अधिक व्यवस्थित होने से लोगों को राहत मिली है। ब्रहमकपाल तीर्थपुरोहित संगठन के अध्यक्ष अमित सती, स्थानीय व्यापारी हर्षा शाह, सलीम और समीर डिमरी ने प्रशासन एवं पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि गेट सिस्टम लागू होने के बाद ज्योतिर्मठ क्षेत्र में जाम की समस्या काफी हद तक नियंत्रित हुई है और आवाजाही पहले की तुलना में अधिक सुगम हुई है।

जिलाधिकारी गौरव कुमार ने कहा कि बद्रीनाथ एवं हेमकुंड साहिब यात्रा के दौरान यात्रियों की सुरक्षा और सुचारु यातायात संचालन प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में वाहनों के दबाव को देखते हुए गेट सिस्टम संचालित किया जा रहा है। यातायात का दबाव कम होने पर आवश्यकता के अनुसार व्यवस्था में बदलाव किया जाएगा। उन्होंने यात्रियों से प्रशासन द्वारा निर्धारित यातायात नियमों का पालन करने तथा सहयोग बनाए रखने की अपील भी की।

मुख्यमंत्री धामी से मिले जीएमवीएन के नवनियुक्त निदेशक पारस गोयल

हमारे संवाददाता

देहरादून। गढ़वाल मंडल विकास निगम के निदेशक पद का दायित्व मिलने पर पारस गोयल ने आज मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री धामी को पवित्र चारधाम यात्रा का प्रतीकात्मक चित्र भेंट कर उनके प्रति आभार व्यक्त किया तथा मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं प्रकट कीं।

गढ़वाल मंडल विकास निगम के नवनियुक्त निदेशक पारस गोयल ने मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उत्तराखंड में पर्यटन, धार्मिक आस्था एवं चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं को नई पहचान मिलने की सराहना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन मे जीएमवीएन प्रदेश के पर्यटन एवं तीर्थाटन को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर कार्य करेगा। मुख्यमंत्री ने पारस गोयल को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया जीएमवीएन के माध्यम से राज्य में पर्यटन सुविधाओं का विस्तार होगा तथा श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर सेवाएं प्राप्त होंगी। भेंट के दौरान चारध ाम यात्रा की व्यवस्थाओं, पर्यटन विकास तथा राज्य में धार्मिक पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने संबंधी विभिन्न विषयों पर भी चर्चा हुई। पारस गोयल ने मुख्यमंत्री का आशीर्वाद प्राप्त करते हुए जनहित एवं राज्यहित में पूरी निष्ठा के साथ कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष देवेंद्र बिष्ट, पूर्व अध्यक्ष डीएवी कॉलेज दयाल बिष्ट, पूर्व पार्षद प्रत्याशी सूरज रावल, प्रवीण, मनीष बोरा आदि उपस्थित रहे।

विवाहिता प्रेमी संग फरार

संवाददाता

देहरादून। विवाहिता के प्रेमी के संग फरार होने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दीं। प्राप्त जानकारी के अनुसार ब्रहमपुरी निवासी व्यक्ति ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पडोस में रहने वाला दिलशाद उसकी पत्नी को बहला फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

43 किसानों को मिला मधुमक्खी के साथ बाक्स

संवाददाता

मुनस्यारी। एमबीएडीपी के तहत स्वीकृत योजना के अंतर्गत चार ग्राम पंचायतों के 43 मधुपालकों को मधु कालोनी के साथ बाक्स का वितरण किया गया। नि

आज यहां एमबीएडीपी के तहत स्वीकृत योजना के अंतर्गत चार ग्राम पंचायतों के 43 मधुपालकों को मधु कालोनी के साथ बाक्स का वितरण किया गया। निर्वतमान जिला पंचायत सदस्य जगत सिंह मर्तोलिया ने बाक्स बांटते हुए कहा कि इस क्षेत्र को हनी क्लस्टर के रूप में विकसित करने के लिए लगातार बाक्स बाटा जा रहा है। मुख्यमंत्री बार्डर एरिया विकास योजना के तहत जिला पंचायत सदस्य के कार्यकाल में जगत सिंह मर्तोलिया ने 21 ला रुपए स्वीकृत किए थे। इस योजना के तहत लीलम, दरकोट तथा सेविला न्याय पंचायत को हनी क्लस्टर के रूप में विकसित किए जाने का क्रस्ताव है। ग्राम पंचायत तल्ला दुम्मर, सेरासुराईधार, पैंकुती, बूंगा के 43 किसानों को बाक्स वितरित किया गया। पूर्व सदस्य मर्तोलिया ने बताया कि उद्यान विभाग पिथौरागढ़ को इसकी जिम्मेदारी सौपी गई थी। उन्होंने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायतों को अब विकास की ड्जा संस्थ्ति को छोड़कर ष्एक गांव एक उत्पादष् पर राज्य तथा 15 वें विन की धनराशि र्च करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकारों को सांसद तथा विधायक निधि के 50 क्रतिशत से भी अधिक की धनराशि को रोजगारपरक योजनाओं पर र्च करने का नियम बना देना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार तथा विभागो से तालमेल करते हुए हम इस मुहिम को जारी रेंगे। उन्होंने बताया कि मधुपालको का फेडरेशन बनाकर उच्च गुणवनायुक्त शहद को ष्मुनस्यारी अलपाइन हनीष् के नाम से बाजार में लांच कर आनलाइन तथा आफलाइन बेचा जाएगा। इस योजना के तहत हर गांव में शहद निकालने की आधुनिक मशीन भी दी जानी है। मधुपालको को मधुमक्षी पालन से संबंधित उपकरण तथा सामान भी दिया गया है। इस अवसर पर उद्यान पर्यवेक्षक तनुजा जंगपांगी, उद्यान सहायक माधो राम, ध र्मानंद जोशी उपस्थित रहे।

पीएम मोदी के नेतृत्व में सच हो रहा विकसित भारत का संकल्पः धामी

प्रधानमंत्री को लगातार 12 वर्ष का कार्यकाल पूरा करने पर मुख्यमंत्री ने दी शुभकानाएं

हमारे प्रतिनिधि

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के केंद्र में लगातार 12 वर्ष का कार्यकाल पूरा करने पर, प्रधानमंत्री सहित देशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सशक्त, सक्षम और स्वाभिमानी भारत का सपना सच हो रहा है। साथ ही प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में देवभूमि उत्तराखंड भी नवोदय का संकल्प पूरा कर रही है।

अपने संदेश में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज तीव्र विकास कर रहा है। पीएम आवास योजना के तहत चार करोड़ पक्के घर, 81 करोड़ लोगों को हर माह मुफ्त राशन, 60 करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत के तहत निशुल्क उपचार की सुविधा और 40 लाख करोड़ रुपये का गारंटी मुक्त मुद्रा ऋणख्रयह सब अंत्योदय को समर्पित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसा मनीषी ही कर सकता है। उन्होंने कहा कि आजादी के पहले सात दशक तक देश में कुल 3.2 करोड़ घरों में ही नल से पेयजल आपूर्ति हो पा रही थी, अब यह आंकड़ा चार गुना से अधिक बढ़कर 16 करोड़ तक पहुंच गया है। 2014 तक देश के केवल 5 शहर ही मेट्रो ट्रेन से जुड़े थे, अब इन शहरों की संख्या बढ़कर 26 हो गई है। मेट्रो रेल नेटवर्क भी 248 किलोमीटर से बढ़कर 1155 किलोमीटर हो गया है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत दुनिया को हर क्षेत्र में नेतृत्व प्रदान कर रहा है। दुनिया के कुल डिजिटल लेन-देन का 56 प्रतिशत अकेले भारत में हो रहा है। कभी अपनी रक्षा जरूरतों के लिए विदेशों पर निर्भर रहने वाला भारत आज रक्षा उत्पादन और निर्यात के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

अंतरिक्ष से लेकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्टार्टअप से लेकर सेमीकंडक्टर निर्माण तक, भारत आत्मनिर्भरता के नए अध्याय लिख रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नारी वंदन के अपने संकल्प को पूरा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेना में महिलाओं को स्थायी कमीशन दिया है। ऑपरेशन सिंदूर में भारत की यही नारी शक्ति दुश्मन देश पर भारी पड़ी। कभी देश बाह्य प्रायोजित आतंकवाद के साथ ही देश के अंदर पलने वाले नक्सल आतंक का शिकार था, आज देश नक्सल हिंसा को निर्णायक रूप से नियंत्रित करने के साथ-साथ सीमा पार स्थित आतंकी ढांचों को निशाना बनाने का साहस भी रखता है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का जो राष्ट्रीय विजन आकार ले रहा है, उसका प्रभाव देश के प्रत्येक राज्य में दिखाई दे रहा है। उत्तराखंड इसका एक सशक्त उदाहरण है। उन्होंने कहा देवभूमि उत्तराखंड के लिए प्रध ानमंत्री नरेंद्र मोदी का कार्यकाल स्वर्णिम अक्षरों में लिखे जाने योग्य साबित हुआ है। केंद्र सरकार के सहयोग से आज उत्तराखंड में दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है। चारधाम ऑल वेदर रोड परियोजना तेजी से आगे बढ़ रही है, जबकि 13 हजार करोड़ रुपये की लागत से निर्मित दिल्लीख्रदेहरादून एक्सप्रेस-वे ने दिल्ली ख्र देहरादून के बीच दूरी और समय, दोनों को कम कर दिया है। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग से वर्तमान में सितारगंजख्र टनकपुर, पौंटा साहिबख्रदेहरादून, भानियावालाख्रऋषिकेश, काठगोदामख्र लालकुआंख्रहल्द्वानी बाईपास तथा रुद्रपुर बाईपास जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर भी कार्य जारी है।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रध ानमंत्री के विशेष प्रयासों आज ऋषिकेशख्र कर्णप्रयाग रेल परियोजना तेजी से पूर्णता की ओर बढ़ रही है, इसके अतिरिक्त केंद्र सरकार ने टनकपुरख्रबागेश्वर रेल लाइन परियोजना को मंजूरी प्रदान कर दी है। प्रदेश के 11 रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत आधुनिक स्वरूप दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में उत्तराखंड में हवाई सेवाएं भी सुदृढ़ हुई हैं। केंद्र सरकार के सहयोग से जॉलीग्रांट, पंतनगर और पिथौरागढ़ एयरपोर्ट का विस्तार किया जा चुका है। उड़ान योजना के तहत प्रदेश में 18 हेलीपोर्ट विकसित किए जा रहे हैं, जिनमें से 12 पर सेवाएं प्रारंभ हो चुकी हैं। वर्ष 2022 तक जहां राज्य में केवल दो हेलीपोर्ट थे, वहीं आज उनकी संख्या बढ़कर सात हो चुकी है। हेलीपैड की संख्या भी लगभग दोगुनी होकर 118 तक पहुंच गई है।

अपने संदेश में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग से पर्वतमाला परियोजना के माध्यम से उत्तराखंड में रोपवे नेटवर्क का विस्तार किया जा रहा है। गौरीकुंड से केदारनाथ और गोविंदघाट से हेमकुंड साहिब तक रोपवे परियोजनाएं प्रदेश के पर्यटन और तीर्थाटन को नई दिशा देंगी। चारधामों के साथ-साथ उत्तराखंड के प्राचीन मंदिरों के पुनरोद्धार और पुनर्विकास को भी प्राथमिकता दी जा रही है।

निःशुल्क जनसेवा शिविर में बने प्रमाण पत्रों का किया वितरण

संवाददाता

देहरादून। निःशुल्क जनसेवा शिविर में विभिन्न प्रमाण पत्रों एवं कार्डो का भव्य वितरण समारोह सम्पन्न हुआ।

आज यहां राजपुर विधानसभा के लोकप्रिय जननेता, समाजसेवी एवं उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश महासचिव संजय कुमार (कद्दू भाई) द्वारा आयोजित निःशुल्क जनसेवा शिविर में तैयार किए गए विभिन्न प्रमाण पत्रों एवं कार्डों का भव्य वितरण समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने भाग लिया।

गौरतलब है कि संजय कुमार (कद्दू भाई) द्वारा पिछले दिनों क्षेत्र की जनता की सुविधा के लिए एक विशाल निःशुल्क जनसेवा शिविर का आयोजन किया गया था, जिसमें लोगों के विभिन्न आवश्यक दस्तावेज तैयार करवाए गए। इसी क्रम में आयोजित वितरण समारोह के दौरान लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड, वोटर कार्ड, ई-श्रम कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, स्थायी निवास प्रमाण पत्र, आय प्रमाण

पत्र तथा यूसीसी मैरिज रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

अपने संबोधन में संजय कुमार (कद्दू भाई) ने कहा कि राजनीति उनके लिए सेवा का माध्यम है। उन्होंने कहा कि आम जनता को सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और उन्हें एक ही स्थान पर सभी सुविधाएं मिल सकें, इसी उद्देश्य से जनसेवा शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे और जनता की हर समस्या के समाधान के लिए वे सदैव तत्पर रहेंगे। इस अवसर पर राजकुमार जायसवाल (प्रदेश संगठन सचिव, उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी), मोहन कुमार काला (प्रदेश प्रवक्ता, उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी), मालती देवी (पूर्व महासचिव), विजय कुमार (ब्लॉक अध्यक्ष, करणपुर), राजीव प्रजापति (ब्लॉक अध्यक्ष, कैंट विध ानसभा), नितिन चंचल (युवा नेता), अशोक कुमार (पार्षद प्रतिपक्ष), सीमा देवी, केतन चंचल, ऋतिका जैन सहित अनेक कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे।

विकसित भारत-2047 के संकल्प को पूरा करने में सबका सहयोग जरूरी: मुख्यमंत्री

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को सचिवालय में आयोजित समीक्षा बैठक में प्रगति पोर्टल के माध्यम से राज्य की विभिन्न महत्वपूर्ण अवसंरचना एवं विकास परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में परिवहन, ऊर्जा, लोक निर्माण, राष्ट्रीय राजमार्ग, सीमा सड़क संगठन तथा अन्य विभागों की 6940 करोड़ की कुल 12 प्रमुख परियोजनाओं की विस्तार से जानकारी ली गई। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि 2047 तक प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में सभी का योगदान जरूरी है।

मुख्यमंत्री ने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिये कि इन परियोजनाओं के कार्यों में और तेजी लाने के लिए मुख्यमंत्री स्तर पर प्रत्येक माह, मुख्य सचिव स्तर पर 10 दिनों में इसकी समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं में देरी पर संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जायेगी और नियमानुसार सख्त कारवाई भी की जायेगी। उन्होंने कहा कि जिन परियोजनाओं पर 50 प्रतिशत तक कार्य हो चुका है, 15 अक्टूबर 2026 तक उन कार्यों को पूर्ण किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता

❑मुख्यमंत्री ने 6940 करोड़ की 12 प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा

सभी विकास परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करना है। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन परियोजनाओं में भूमि हस्तांतरण, वन स्वीकृति, भूमि अधिग्रहण, क्षतिपूर्ति भुगतान अथवा अन्य प्रशासनिक कारणों से विलम्ब हो रहा है, उनके समाधान के लिए संबंधित विभाग समन्वित रूप से त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रगति पोर्टल को प्रभावी निगरानी तंत्र के रूप में उपयोग करते हुए प्रत्येक परियोजना की नियमित समीक्षा की जाए तथा लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं में अनावश्यक विलम्ब से न केवल विकास कार्य प्रभावित होते हैं, बल्कि जनहित एवं आर्थिक गतिविधियों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। बैठक में रामनगर आईएसबीटी, रानीखेत बस टर्मिनल, ताड़ीखेत डिपो एवं कार्यशाला, बनबसा एवं रुद्रप्रयाग विद्युत उपकेंद्र परियोजनाओं, चारधाम सड़क परियोजनाओं, अस्कोट-लिपुलेख मार्ग, माणा पास सड़क परियोजना, हरिद्वार एवं काशीपुर क्षेत्र की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने वन भूमि हस्तांतरण, वन एवं पर्यावरणीय स्वीकृतियों, भूमि अधिग्रहण तथा क्षतिपूर्ति वितरण से संबंधित लंबित मामलों के शीघ्र समाधान के लिए संबंधित विभागों को स्पष्ट समयसीमा निर्धारित कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिलाधिकारियों को भी निर्देश दिये कि जनपद स्तर पर लंबित प्रकरणों की व्यक्तिगत निगरानी कर उनका त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करें।

बैठक में प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु, डॉ. आर.मीनाक्षी सुंदरम, सचिव बृजेश कुमार संत, डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, अपर सचिव डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट, बंशीधर तिवारी, संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं वर्चुअल माध्यम से जिलाधिकारी उपस्थित थे।

डोर-टू-डोर कलेक्शन एवं यूजर चार्ज संग्रहण की समीक्षा बैठक आयोजित

संवाददाता

देहरादून। नगर आयुक्त आलोक कुमार पाण्डेय (आईएएस) की अध्यक्षता में स्वच्छता व्यवस्था एवं यूजर चार्ज संग्रहण कार्यों की व्यापक समीक्षा हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया।

आज नगर निगम देहरादून के सभागार में नगर आयुक्त आलोक कुमार पाण्डेय (आईएएस) की अध्यक्षता में स्वच्छता व्यवस्था एवं यूजर चार्ज संग्रहण कार्यों की व्यापक समीक्षा हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में नगर निगम के सभी मुख्य सफाई निरीक्षक, सफाई निरीक्षक, नव नियुक्त सफाई निरीक्षक, नगर निगम एवं पीएमसी के पर्यवेक्षक (सुपरवाइजर) तथा यूजर चार्ज संग्रहण कार्य में संलग्न स्वयं सहायता समूहों के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। बैठक का मुख्य उद्देश्य स्वच्छता तंत्र से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके दायित्वों एवं उत्तरदायित्वों के संबंध में विस्तार से अवगत कराना तथा नगर क्षेत्र में संचालित विभिन्न स्वच्छता गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा करना था। नगर आयुक्त महोदय द्वारा मुख्य सफाई निरीक्षकों, सफाई निरीक्षकों एवं पर्यवेक्षकों को अपने-अपने कार्यक्षेत्र में नियमित निगरानी, प्रभावी पर्यवेक्षण तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य संपादित करने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान नगर निगम क्षेत्र में स्थित विभिन्न गार्बेज वल्नरेबल पॉइंट्स की विस्तृत समीक्षा की गई तथा इन स्थलों को पूर्णत: समाप्त करने एवं पुन: कूड़ा एकत्रित न होने देने हेतु आवश्यक कार्ययोजना पर चर्चा की गई। साथ ही डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण की वर्तमान स्थिति, शत-प्रतिशत घरों तक पहुंच सुनिश्चित करने के प्रयासों तथा स्रोत स्तर पर कूड़ा पृथक्करण (ैमहतमहंजपवद) की प्रगति का भी विस्तृत मूल्यांकन किया गया। नगर आयुक्त महोदय ने सभी संबंधित अधिकारियों को डोर-टू-डोर कलेक्शन एवं पृथक्करण की गुणवत्ता में निरंतर सुधार लाने के निर्देश दिए। बैठक में यूजर चार्ज संग्रहण की प्रगति की भी गहन समीक्षा की गई। प्रस्तुतीकरण के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों द्वारा किए जा रहे यूजर चार्ज संग्रहण का विश्लेषण प्रस्तुत किया गया, जिसमें शीर्ष 10 तथा निम्न प्रदर्शन करने वाले 10 स्वयं सहायता समूहों की कार्यप्रणाली का अवलोकन किया गया। इसके अतिरिक्त तिमाही (ग्नंतजमत-ूपेम) आधार पर किए गए संग्रहण की समीक्षा करते हुए प्रदर्शन में सुधार हेतु आवश्यक सुझाव एवं दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

मुख्यमंत्री को सौंपा एसआई गणना फॉर्म!

हमारे प्रतिनिधि

देहरादून। उत्तराखण्ड में विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर कार्यक्रम के तहत सचिवालय में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बी. वी. आर. सी. पुरुषोत्तम ने गणना फॉर्म सौंपा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने अवगत कराया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची के शुद्धिकरण हेतु यह अभियान चलाया जा रहा है।

इस अभियान के तहत प्रदेश के सभी मतदाताओं को गणना फार्म उपलब्ध कराए जाएंगे। आगामी 7 जुलाई तक एक माह के समय में बीएलओ द्वारा मतदाताओं के गणना फार्मों को बीएलओ एप्प के माध्यम से डिजिटिलाइज किया जाएगा। इस अवसर पर सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी मस्तू दास मौजूद रहे।

स्मैक के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

संवाददाता

उत्तरकाशी। पुलिस ने स्मैक के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

मिली जानकारी के अनुसार पुलिस द्वारा चारधाम यात्रा-2026 को सुरक्षित एवं सुगम बनाने के लिए नशा तस्करों एवं असामाजिक तत्वों के खिलाफ लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी, श्रीमती कमलेश उपाध्याय के निर्देशन में यात्रा मार्गों पर संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की लगातार निगरानी की जा रही है।

इसी क्रम में पुलिस उपाधीक्षक बड़कोट चंचल शर्मा के पर्यवेक्षण तथा

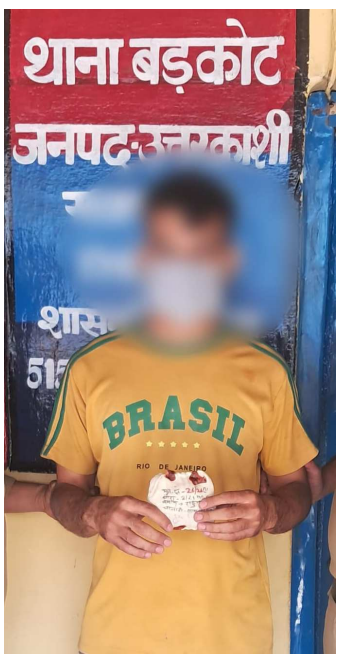

प्रभारी निरीक्षक बड़कोट सुभाष चन्द्र के नेतृत्व में बड़कोट पुलिस को एक और सफलता मिली है। सायं को यमुनोत्री हाईवे, फूलचट्टी के पास चलाए जा रहे चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस टीम द्वारा राहुल चौहान पुत्र अजब सिंह चौहान, निवासी: ग्राम म्यूंडा, थाना चकराता को अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार किया। जिसके कब्जे से 9.34 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की गई है।

गिरफ्तारी एवं बरामदगी के आधार पर उसके विरुद्ध कोतवाली बड़कोट में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है। आरोपी के आपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है, अग्रिम वैधानिक कार्रवाई जारी है।

एसटीएफ ने साइबर अपराध पीडितों की 2.24 करोड की धनराशि बचायी

संवाददाता

देहरादून। एसटीएफ ने 1930 कंट्रोल रूम के माध्यम से मिली सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए साइबर अपराध पीडितों की 2.24 करोड की धनराशि बचायी।

मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड के देवभूमि उत्तराखण्ड को अपराध मुक्त बनाये रखने के मिशन के अन्तर्गत पुलिस महानिदेशक, उत्तराखण्ड, दीपम सेठ के दिशा निर्देशन में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ उत्तराखण्ड द्वारा साइबर अपराध पीड़ितो को त्वरित न्याय दिलाने तथा अपराधिक घटना में संलिप्त साइबर अपराधियों पर प्रभावी कार्यवाही के निर्देश निर्गत किये गये हैं। जिसके क्रम में एसटीएफ के अधीन संचालित राष्ट्रीय वित्तीय हेल्पलाइन 1930 कंट्रोल रुम को साइबर अपराध पीड़ितो की धनराशि को होल्ड/बचाये जाने हेतु त्वरित कार्यवाही किये जाने के निर्देश किया गये है, फलस्वरुप राष्ट्रीय वित्तीय हेल्पलाइन 1930 कंट्रोल रुम द्वारा वर्ष 2026 माह मई की अवधि में साइबर अपराध में पीड़ितों से विभिन्न माध्यमों से ठगी गयी 2.24 करोड़ रुपये की धनराशि को सुरक्षित/वापस कराया गया। वित्तीय हेल्पलाइन 1930 कंट्रोल रुम की गुणवक्ता मे बढ़ोतरी हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ उत्तराखण्ड द्वारा टीम का गठन किया गया। नियुक्त टीम द्वारा माह मई में एक माह की अवधि में साइबर अपराध में पीड़ितों से विभिन्न माध्यमों से ठगी गयी 2.24 करोड़ रुपये की धनराशि को होल्ड कराया गया। गठित टीम द्वारा अपने अतिरिक्त प्रयासो से माह मई में साइबर अपराध पीड़ितों के साथ धोखाधड़ी की विभिन्न बैंक खातों में होल्ड धनराशि को कोर्ट रिलीज ऑर्डर के माध्यम से सम्बन्धित नोडलो को मेल कर पीड़ितों के खाते मे 7.74 सौ रूपये की धनराशि वापस कराए गए है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ उत्तराखण्ड ने जनता से अपील की है कि अपना बैंक खाता किसी अन्य को उपयोग हेतु न दें, कमीशन/किराये पर खाता देना अपराध है, एटीएम कार्ड, ओटीपी, पीन, यूपीआई पीन साझा न करें, अज्ञात धनराशि आने पर तुरंत बैंक/पुलिस को सूचित करें तथा अन्जान नम्बरों से आने वाली वीडियो कॉल से बात न करें, न ही कोई सूचना/दस्तावेज दें । यदि कोई आपको पुलिस, सीबीआई, ईडी आदि का अधिकारी बताकर डिजिटल अरेस्ट करने को डराये धमकाये तो घबरायें नहीं, कोई भी एजेन्सी ऑनलाईन गिरफ्तार नहीं करती है। किसी भी प्रकार के लोक लुभावने अवसरों / फर्जी साईट / धनराशि दोगुना करने के प्रलोभनों में न आयें। साथ ही फर्जी निवेश ऑफर जैसे यूटयूब लाईक सब्सक्राइब, टेलीग्राम आधारित निवेश वेबसाइट ऑफर में निवेश न करें । गूगल से कोई भी कस्टमर केयर नम्बर को सर्च न करें।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।